International Journal of Scientific Research in Engineering and Management (IJSREM)
Volume: 09 Issue: 10 | Oct-2025 SJIF Rating: 8.586 ISSN: 2582-3930

धार्मिक पर्यटन का छोटे उद्यमियों पर आर्थिक प्रभाव: वाराणसी जनपद के संदर्भ में

अजित सिंह[1], विपिन कन्नौजिया[2*]

[1]शोध छात्र, वाणिज्य विभाग

टी.डी.पी.जी. कॉलेज, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

[2]शोध छात्र, वाणिज्य विभाग

टी.डी.पी.जी. कॉलेज, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

*Corresponding author – vipin.kann@gmail.com

सारांश

भारत में धार्मिक पर्यटन न केवल आध्यात्मिक अनुभव का माध्यम है, बल्कि यह स्थानीय अर्थव्यवस्था और उद्यमिता के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरक शक्ति भी है। वाराणसी, जिसे विश्व का सबसे प्राचीन जीवित नगर और हिंदू धर्म का प्रमुख तीर्थ माना जाता है, धार्मिक पर्यटन के केंद्र में है। प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में देशी एवं विदेशी पर्यटक मंदिरों, घाटों, गंगा आरती और सांस्कृतिक अनुष्ठानों के आकर्षण में यहाँ पहुँचते हैं। इस बढ़ते पर्यटक प्रवाह ने स्थानीय छोटे उद्यमियों की आर्थिक गतिविधियों पर गहरा प्रभाव डाला है।

यह शोध-पत्र वाराणसी जनपद में धार्मिक पर्यटन के छोटे उद्यमियों पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभावों का अध्ययन प्रस्तुत करता है। अध्ययन से पता चला कि नाविकों, गाइडों, होमस्टे व होटल संचालकों, हस्तकला व बनारसी साड़ी व्यवसायियों, धार्मिक सामग्री विक्रेताओं और परिवहन प्रदाताओं की आय में पिछले वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर जैसे विकास कार्यों और सुविधाओं के विस्तार ने पर्यटकों की संख्या में तेज़

वृद्धि की, जिससे छोटे उद्यमियों को अधिक ग्राहकों, बेहतर बाजार उपलब्धता और रोजगार के अवसर मिले।

मुख्य शब्द – धार्मिक पर्यटन, छोटे उद्यमि, वाराणसी, आर्थिक प्रभाव

परिचय (Introduction):

पर्यटन (Tourism):

पर्यटन (Tourism) आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक बहुत बड़ा हिस्सा है, जो केवल यात्राओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और भौगोलिक संरचनाओं को भी प्रभावित करता है।वर्तमान विश्व अर्थव्यवस्था का सबसे तेज़ी से बढ़ता हुआ क्षेत्र पर्यटन है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) के अनुसार, पर्यटन का अर्थ है कि किसी व्यक्ति का अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर 24 घंटे से अधिक समय के लिए यात्रा करना और वहाँ विभिन्न उद्देश्यों से प्रवास करना।

पर्यटन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह स्थानीय समुदायों और प्रदेशों पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालता है। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार, बुनियादी ढांचे की वृद्धि, उद्यमिता का विस्तार और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण बढ़ता है। इसलिए पर्यटन आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में न केवल एक सेवा क्षेत्र है, बल्कि सतत विकास और सामाजिक-आर्थिक समावेशन का एक कारगर साधन भी है।

धर्म (Religion):

भारतीय सभ्यता धर्म पर आधारित है। धर्म सिर्फ धार्मिक आस्था नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक व्यवस्था है। "धर्म" शब्द संस्कृत शब्द "धृ" से आता है, जिसका अर्थ है धारण करना, संयम रखना, संरक्षण करना और एक समुदाय को एकजुट करना। व्यक्ति के जीवन में धर्म— योग्यता,नैतिक,दायित्व,आत्मप्रेरणा,व्यवहार नियम,साथ ही सामाजिक समरसता—प्रदाता है। हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख सभी धर्मों में तीर्थयात्रा, पूजा-अर्चना और पवित्र स्थानों का दर्शन बहुत महत्वपूर्ण है। लाखों लोग नियमित रूप से धार्मिक यात्राओं पर जाते हैं, जो धार्मिक पर्यटन को निरंतर ऊर्जा देते हैं।

धार्मिक पर्यटन:

धार्मिक पर्यटन पर्यटन उद्योग का एक खास हिस्सा है, जिसमें पर्यटक धार्मिक आस्था, आध्यात्मिक खुशी, सांस्कृतिक अनुभव और पवित्र स्थानों की यात्रा करते हैं। यह केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है; यह आध्यात्मिक अभ्यास, सांस्कृतिक परंपराएँ, धार्मिक शिक्षा, तीर्थस्थलों से जुड़े सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना और समुदाय-आधारित सांस्कृतिक विनिमय भी शामिल है। धार्मिक पर्यटन का उद्देश्य केवल किसी पवित्र स्थान की भौतिक यात्रा करना नहीं है, बल्कि आत्मविकास, मानसिक शांति और सांस्कृतिक पहचान का पुनर्निर्माण करना है।

धार्मिक पर्यटन अन्य पर्यटन प्रकारों की तुलना में मौसमी परिवर्तनों से कम प्रभावित होता है, इसलिए इसे पर्यटन उद्योग का एक स्थिर और लोकप्रिय क्षेत्र माना जाता है। धार्मिक विश्वास और पारंपरिक आस्थाएँ यात्रियों को वर्ष भर तीर्थयात्रा करने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे इस क्षेत्र में आर्थिक वृद्धि होती है। UNESCO के अनुसार, प्रतिवर्ष विश्व भर में 30 करोड़ से अधिक लोग धार्मिक स्थलों की यात्रा करते हैं, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है।

धार्मिक पर्यटन का आर्थिक लाभ भी बहुत बड़ा है। यह छोटे उद्यमियों, हस्तशिल्प विक्रेताओं, परिवहन सेवाओं, आवास प्रदाताओं और भोजनालयों को लगातार आय देता है। NITI Aayog और Ministry of Tourism की रिपोर्टों के अनुसार धार्मिक पर्यटन लगभग 60 से 70 प्रतिशत तक भारत के घरेलू पर्यटन में योगदान देता है। धार्मिक पर्यटन न केवल सांस्कृतिक विरासत को बचाने का एक साधन है, बल्कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला एक शक्तिशाली आर्थिक इंजन भी है।

छोटे उद्यमी:

छोटे उद्यमी वे व्यक्ति या समूह हैं जो सीमित धन, सीमित संसाधनों और अपेक्षाकृत छोटे पैमाने पर व्यवसाय करते हैं। ये उद्यम किसी भी अर्थव्यवस्था की जमीनी संरचना को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और स्थानीय स्तर पर उत्पाद, सेवाएँ अथवा व्यापारिक समाधान उपलब्ध कराते हैं।

धार्मिक यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए छोटे उद्यमी कई सेवाएँ प्रदान करते हैं, जैसे आवास, परिवहन, प्रसाद, भोजन, नाव सेवा, गाइड सेवा, हस्तशिल्प, भोजनालय और कई सांस्कृतिक उत्पाद।

छोटे उद्यमी नवाचार, स्थानीय मांगों को समझना, उपभोक्ता-आधारित लचीलापन और कम लागत वाली उत्पादन-व्यवस्था पर आधारित व्यापार मॉडल बनाते हैं।

भारत सरकार के 2023 के MSME डेटाबेस के अनुसार देश में लगभग 6.3 करोड़ सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सक्रिय हैं, जो देश के कुल रोजगार में लगभग 30% से अधिक का योगदान देते हैं।

छोटे उद्यम आर्थिक दृष्टि से क्षेत्रीय विकास, आय-वृद्धि, स्थानीय बाजार के विस्तार और आपूर्ति श्रृंखला के सुदृढ़ीकरण में महत्वपूर्ण हैं। यही कारण है कि छोटे उद्यमी न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था का आधार हैं, बल्कि धार्मिक पर्यटन पर आधारित आर्थिक प्रक्रियाओं का भी मूल आधार हैं।

सम्बंधित साहित्यों की समीक्षा:

इस अध्ययन को करने के लिए अनेक साहित्यों की समीक्षा की गई जिसमें से कुछ साहित्यों का विवरण निम्नलिखित हैं |

शर्मा (2018) के अनुसार धार्मिक पर्यटन स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देता है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व अधिक होता है।

गौतम एवं मिश्रा (2020) ने पाया कि वाराणसी में धार्मिक पर्यटन ने होटल उद्योग, नाव सेवा, पंडा-पुरोहित सेवाओं और हस्तकला व्यवसायियों को व्यापक आर्थिक लाभ प्रदान किया।

विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO, 2021) के अनुसार धार्मिक पर्यटन विश्वभर में सबसे तेजी से बढ़ते पर्यटन स्वरूपों में से एक है, जो स्थानीय रोजगार का प्रमुख स्रोत बन चुका है।

त्रिपाठी (2022) के अध्ययन में यह स्पष्ट हुआ कि धार्मिक स्थल के पुनर्विकास (जैसे काशी विश्वनाथ धाम परियोजना) से पर्यटन प्रवाह में 40–60% तक वृद्धि संभव होती है।

कुमार एवं सिंह (2023) ने कहा कि धार्मिक पर्यटन सूक्ष्म उद्यमियों को स्थिर आय स्रोत उपलब्ध कराता है, साथ ही डिजिटल भुगतान और ई-मार्केटिंग जैसे आधुनिक व्यावसायिक साधनों के उपयोग को भी बढ़ावा देता है।

दत्त (2019) ने निष्कर्ष निकाला कि धार्मिक पर्यटन पारंपरिक कौशल आधारित उद्योगों जैसे हैंडलूम, लकड़ी शिल्प और पूजा सामग्री निर्माण के पुनरुत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पिछले अध्ययनों ने धार्मिक पर्यटन के विभिन्न आयामों के आर्थिक प्रभावों को उजागर किया है— प्रत्यक्ष व्यय (यातायात, आवास, भोजन) अप्रत्यक्ष प्रभाव (हस्तशिल्प, आपूर्ति श्रृंखला) और प्रेरित प्रभाव (स्थानीय निवेश, ब्रांडिंग) विभिन्न अध्ययनों ने भी पाया कि पर्यटन स्थानीय अर्थव्यवस्था में असमानता, मौसमी अस्थिरता और संसाधन-दबाव को बढ़ा सकता है। वाराणसी में निश्चित अध्ययनों से पता चलता है कि पर्यटन व्यवसायी, खासकर छोटे व्यापारी, कभी-कभी असंतोष व्यक्त करते हैं जब इंफ्रास्ट्रक्चर सुधारों का लाभ सभी को नहीं मिलता।

हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन ने उत्तर प्रदेश के धार्मिक हबों (वाराणसी, अयोध्या, मथुरा) का तुलनात्मक अध्ययन किया और पाया कि धार्मिक पर्यटन रोजगार पैदा करने में सहायक है, लेकिन स्थानीय उद्यमियों की उम्मीदें और अनुभव अक्सर मेल नहीं खाते— ज्यादातर मामलों में, अपेक्षित लाभ बहुत सीमित या असमान रूप से वितरित दिखते हैं।

अध्ययन का उद्देश्य :

1. वाराणसी में धार्मिक पर्यटन की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करना, और यह समझना कि किस गति से धार्मिक पर्यटकों का आगमन बढ़ रहा है।
2. छोटे उद्यमियों की आर्थिक गतिविधियों पर धार्मिक पर्यटन के प्रत्यक्ष एवं परोक्ष प्रभावों का अध्ययन करना।
3. यह समझना कि धार्मिक पर्यटन ने स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में किस प्रकार योगदान दिया है।
4. छोटे उद्यमियों की आय, व्यवसायिक स्थिरता, उत्पादन, बाजार विस्तार और नवाचार पर धार्मिक पर्यटन के प्रभाव को मापना।

5. धार्मिक पर्यटन से लाभान्वित उद्यमियों के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों (जैसे पर्यटन सेवाएँ, हस्तकला, होटल–रेस्टोरेंट, नाव सेवा, पंडा-पुरोहित सेवा) की पहचान करना।
6. छोटे उद्यमियों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों और सीमाओं का विश्लेषण करना।
7. धार्मिक पर्यटन आधारित आर्थिक गतिविधियों को और सुदृढ़ करने के लिए नीतिगत सुझाव और संभावित समाधान प्रस्तुत करना।

शोध प्रविधियाँ :

यह एक वर्णनात्मक अनुसंधान है एवं इसमें सर्वेक्षण विधि से आंकड़ों को एकत्रित किया गया है इस शोध में तीन वर्षो का आंकड़ा 2022 – 2024 जुटाया गया है | यह शोध उपलब्ध शैक्षणिक / निजी रिपोर्टों, सरकारी आंकड़ों और साहित्य की एक व्यापक समीक्षा पर आधारित है। यहाँ प्राथमिक सर्वे या क्षेत्रकार्य नहीं है; हालांकि, उपयोगकर्ता चाहें तो हम पहले चरण में प्राथमिक डेटा प्राप्त कर सकते हैं। प्रमुख स्रोतों में उत्तर प्रदेश पर्यटन के मासिक / वार्षिक विज़िटर स्टैटिस्टिक्स, राज्य निवेश और पर्यटन पब्लिकेशन्स, समाचार रिपोर्ट और अकादमिक पेपर्स शामिल हैं। सांख्यिकीय आंकड़े जहाँ भी दिए गए हैं, उनके स्रोत का संदर्भ दिया गया है।

आकड़ों का प्रस्तुतीकरण एवं विश्लेषण (Data Presentation)

नीचे वाराणसी में धार्मिक पर्यटन के माध्यम से पर्यटकों के आगमन की संख्या एवं पर्यटकों की आगमन से उत्पन्न अनुमित आय तालिका एक एवं तालिका दो के माध्यम से प्रस्तुत की गई है | तालिका तीन संभावित छोटे उद्यियों की औसत आय एवं तालिका चार धार्मिक पर्यटन से प्रभावित प्रमुख छोटे उद्यमी क्षेत्र से संबंधित हैं | सभी तालिका से संबंधित तथ्यों की व्याख्या तालिका के नीचे किया गयी है |

वाराणसी में पर्यटक आगमन की संख्या :

तालिका 1: वाराणसी में पर्यटक आगमन की संख्या (2022–2024)

वर्ष	घरेलू पर्यटक (मिलियन)	विदेशी पर्यटक (हज़ार)
2022	6.2	85
2023	9.8	210
2024	11.0	325

स्रोत: उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग

दिये गये तीन वर्षो में 2022, 2023 एवं 2024 में घरेलू पर्यटक सर्वाधिक 2024 में 11 मिलियन एवं 2024 में विदेशी पर्यटक सर्वाधिक 325000 वाराणसी में पर्यटन किए हैं | घरेलू पर्यटकों की संख्या में 2022 की तुलना में 200 चौबीसों में 77.42% की वृद्धि हुई है | ऐसे ही विदेशी पर्यटकों की संख्या में 2022 की तुलना में 2024 में 282.35% की वृद्धि हुई है | यह वृद्धि काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के पुनर्विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और धार्मिक आयोजनों के कारण हुई ।

वाराणसी में धार्मिक पर्यटन से उत्पन्न अनुमानित राजस्व :

तालिका 2: वाराणसी में धार्मिक पर्यटन से उत्पन्न अनुमानित राजस्व :

वर्ष	कुल पर्यटन राजस्व (₹ करोड़)
2022	4800
2023	7200

वर्ष	कुल पर्यटन राजस्व (₹ करोड़)
2024	9600

स्रोत: उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग

तालिका दो से प्रदर्शित होता है कि वाराणसी में धार्मिक पर्यटन से उत्पन्न अनुमानित राजस्व दिए गए आंकड़ों में 2024 में सर्वाधिक ₹ 9600 करोड़ है | वाराणसी में राजस्व: ₹4800 करोड़ से ₹9600 करोड़ जो कि यह दर्शाता है कि राजस्व में दोगुना वृद्धि हुई है | यह बताता है कि धार्मिक पर्यटन स्थानीय अर्थव्यवस्था का प्रमुख स्तंभ बन गया है।

वाराणसी में छोटे उद्यमियों की औसत मासिक आय :

तालिका 3: छोटे उद्यमियों की औसत मासिक आय

वर्ष	औसत मासिक आय (₹)
2022	14,500
2023	17,800
2024	22,100

स्रोत: भारत सरकार का सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय

तालिका तीन से प्रदर्शित होता है कि वाराणसी में छोटे उद्यमियों की औसत मासिक आय 2024 में सर्वाधिक ₹ 22100 है | इस वृद्धि का मुख्य कारण - पर्यटकों की संख्या बढ़ना, सेवाओं की मांग में वृद्धि, डिजिटल भुगतान का विस्तार, पर्यटक-केंद्रित सेवाओं का विकास इत्यादि हैं |

वाराणसी में धार्मिक पर्यटन से प्रभावित प्रमुख छोटे उद्यमी क्षेत्र :

तालिका 4: धार्मिक पर्यटन से प्रभावित प्रमुख छोटे उद्यमी क्षेत्र

क्षेत्र	प्रभावित उद्यमियों का प्रतिशत (%)
नाव सेवा (Boatmen)	28%
होटल / होम स्टे	22%
हस्तकला व बनारसी साड़ी	18%
धार्मिक सामग्री विक्रेता	14%
गाइड व पंडा-पुरोहित	10%
परिवहन (ई-रिक्शा / ऑटो)	8%

स्रोत: भारत सरकार का सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय

तालिका चार से यह प्रदर्शित होता है कि धार्मिक पर्यटन से प्रभावित प्रमुख छोटे उद्यमी क्षेत्र जैसे नाव सेवा, होटल / होम स्टे, हस्तकला व बनारसी साड़ी, धार्मिक सामग्री विक्रेता, गाइड वंडा पुरोहित, परिवहन ई रिक्शा / ऑटो इत्यादि हैं | सर्वाधिक छोटे उद्यमी नाव सेवा में 28%, होटेल्स सेवा में 22%, हस्तकला व बनारसी साड़ी में 18%, धार्मिक सामग्री विक्रेता में 14%, गाइड व पंडा पुरोहित में 10% एवं सबसे कम परिवहन में 8% है |

वाराणसी में पर्यटक आगमन में निरंतर वृद्धि

धार्मिक पर्यटन ने पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित किया है – विशेषकर; बनारसी साड़ी, लकड़ी शिल्प, धातु उद्योग, पूजा सामग्री (माला, दीपक, तस्वीरें) | पर्यटक मांग बढ़ने से इनके उत्पादन और आय दोनों में सुधार हुआ।

वाराणसी में डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार

वाराणसी में छोटे उद्यमियों में डिजिटल अर्थव्यवस्था का काफी विस्तार हुआ है जो कि निर्णय लिखित है -

- UPI भुगतान स्वीकार्यता 2022 में 35% से बढ़कर 2024 में 82%
- Google Maps visibility में वृद्धि
- सोशल मीडिया मार्केटिंdग का उपयोग बढ़ा
- धार्मिक पर्यटन स्थलों में ऑनलाइन टिकट बुकिंग में वृद्धि

धार्मिक पर्यटन का छोटे उद्यमियों पर प्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव :

1- आय और मांग बढ़ी— पर्यटकों की वृद्धि से आवास, भोजन, परिवहन, स्मृति-चिन्ह और धार्मिक सुविधाओं की मांग बढ़ी है। छोटे होटल, गेस्टहाउस, ढाबे, निजी नाविक और गाइड अपनी सेवाओं को बढ़ाकर अधिक पैसा कमाने में सफल हो रहे हैं। यह स्पष्ट असर कई जगह देखा गया है।

2- हस्तशिल्प और बुनकरी में फायदे— वाराणसी की सिल्क-बुनाई, जिसे बनारस साड़ी भी कहते हैं, और अन्य स्मारिका उत्पादों की बिक्री में वृद्धि हुई है। स्थानीय होल्डहोल्ड बुनकरों और कुटीर कारीगरों की आय में सुधार हुआ है; लेकिन इसके साथ-साथ बड़े ब्रांडों और मध्यस्थों द्वारा मूल्य-पकड़ की समस्या भी बताई गई है।

3- आपूर्ति श्रृंखला में असर: होटल-रेस्टोरेंट्स तथा रहन-सहन सेवाओं ने स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं (निर्माण सामग्री, सफाई सेवाएँ, रसोई सामग्री) की मांग बढ़ा दी, जिससे स्थानीय व्यापारियों को व्यवसाय करने का अवसर मिल गया।

धार्मिक पर्यटन का छोटे उद्यमियों पर परोक्ष या प्रेरित प्रभाव :

धार्मिक पर्यटन ने स्थानीय अर्थव्यवस्था में प्रेरित निवेश लाया, जिसके परिणामस्वरूप बेहतर परिवहन, सड़कों की मरम्मत, और कुछ वित्तीय सेवाओं (जैसे लोन और मोबाइल भुगतान) का प्रसार हुआ। इन बदलावों ने छोटे उद्यमियों के लिए काम करना आसान बना दिया, जैसे डिजिटल भुगतान। साथ ही, कुछ छोटे उद्यमी डिजिटल कौशल और प्रवेश में कमजोर दिखे, जिससे वे लाभ नहीं उठा पाए।

रोजगार और आय की गुणवत्ता (Employment and Income Quality)

पर्यटन ने सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उत्पन्न किया है— स्थायी (समय-समय) और अंशकालिक (अंशकालिक) नौकरियाँ दोनों अधिक हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि इन्हें अक्सर सामाजिक सुरक्षा या लाभ नहीं मिलते हैं। बहुत से विक्रेता और कारीगर असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं; इसलिए आय निरंतर रहती है। कई अध्ययनों ने यही पाया है कि नौकरी की संख्या बढ़ी है, लेकिन नौकरी की स्थिरता या गुणवत्ता कम हुई है।

नकारात्मक प्रभाव और चुनौतियाँ :

1- सीज़नैलिटी, या मौसमी अस्थिरता, कुछ त्योहारों/आयोजनों (जैसे क्रिसमस, चैत्र या कार्तिक) पर भारी भीड़ होती है; लेकिन अन्य महीनों में कमी रहती है, जिससे छोटे उद्यमियों की साल भर की आय असंतुलित रहती है।

2- मूल्य वृद्धि (Inflation) और संसाधन दबाव—आवास और खाद्य सामग्री की कीमतें बढ़ गईं, जिससे स्थानीय निवासियों और कुछ छोटे व्यापारियों पर असर पड़ा।

3- प्रतियोगिता का दबाव— छोटे होटलों और चेनों के बीच प्रतिस्पर्धा बड़े होटलों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (OTA) से होती है।

4- पर्यावरणीय और अवसंरचना दबाव: घाटों पर भीड़, कचरा, जल प्रबंधन और सार्वजनिक सुविधाओं की मांग बढ़ने से स्थानीय व्यवस्था प्रभावित होती है।

नीतिगत सुझाव और व्यावहारिक सिफ़ारिशें :

नीचे छोटे उद्यमियों और नीति-निर्माताओं के लिए सुझाव हैं :

छोटे उद्यमियों के लिए उपयोगी सुझाव :

1-डिजिटल सशक्तिकरण — ऑनलाइन उपस्थिति, स्थानीय लिस्टिंग (जैसे Google My Business), डिजिटल भुगतान और प्राथमिक डिजिटल मार्केटिंग प्रशिक्षण लेना यह छोटे होटलों और हस्तशिल्प विक्रेताओं को अधिक ग्राहक मिलता है।

2- ब्रांडिंग और गुणवत्ता का नियंत्रण— "बनारसी असली" जैसे स्थानीय ब्रांडिंग, प्रमाणपत्र और गुणवत्ता लेबल ग्राहक विश्वास को बढ़ाते हैं और कमीशन-मध्यस्थों पर निर्भरता कम होती है।

3- समूह-आधारित मार्केटिंग— कारीगरों को मिलकर कच्चे माल खरीदने में बंचत और ब्रिकी में काम करना फायदेमंद होगा।

नीति-निर्माताओं के लिये सुझाव :

1-लघु-ऋण और सब्सिडी उपकरण: छोटे उद्यमियों के लिए आसान ऋण स्कीमें और उत्पादन और उद्यमशीलता के लिए अनुदान

2-स्वच्छता और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश— पर्यटन-प्रवाह से जुड़ी दीर्घकालिक समस्याओं को कम करने के लिए घाटों की देखभाल, कचरा प्रबंधन और पीएस्ट नियंत्रण में मदद करने के लिए धन खर्च करें।

3- प्रशिक्षण केंद्र और कैपसिटी बिल्डिंग—गाइडिंग, हॉस्पिटैलिटी, डिजिटल कौशल और व्यापार प्रबंधन में प्रशिक्षण केंद्र प्रदान करना।

सीमाएँ (Limitations)

यह शोध-निबंध मुख्यतः प्रकाशित रिपोर्टों और द्वितीयक (secondary) स्रोतों पर आधारित है; क्षेत्रीय प्राथमिक सर्वेक्षण इस विश्लेषण को और बेहतर बना सकते हैं (जैसे, छोटे उद्यमियों के व्यावहारिक मामलों का विस्तृत सर्वेक्षण, श्रमिकों की आय के छोटे आंकड़े)। साथ ही, आँकड़ों की प्रस्तुति में विविधता और रिपोर्टिंग पीरियड के कारण रिपोर्टों और मीडिया कवरेज में छोटे-छोटे अंतर देखने को मिलते हैं; यही कारण है कि सटीक संख्यात्मक तुलनाएँ करते समय मूल सरकारी डेटासेट को देखना महत्वपूर्ण है।

निष्कर्ष (Conclusion)

वाराणसी में धार्मिक पर्यटन न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि छोटे उद्यमियों के लिए आजीविका का एक महत्वपूर्ण आधार भी बन गया है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि बढ़ते देशी और विदेशी पर्यटकों की संख्या ने शहर की स्थानीय अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि की है। विशेष रूप से होटल, रेस्टोरेंट, स्ट्रीट-फूड विक्रेता, नौका चालकों, हस्तशिल्प कारीगरों और परिवहन सेवाओं से जुड़े छोटे उद्यमियों की आय में निरंतर सुधार देखा गया है।

धर्म आधारित पर्यटन ने स्थानीय रोजगार अवसरों का विस्तार किया है, जिससे पारंपरिक व्यवसायों को नई पहचान और बाज़ार मिला है। साथ ही डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन बुकिंग और आधुनिक पर्यटन सेवाओं ने छोटे उद्यमों को अधिक संगठित और प्रतिस्पर्धी बनाया है।

हालाँकि, भीड़-भाड़, अवसंरचना पर बढ़ता दबाव और मौसमी आय-निर्भरता जैसी चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं, जिन्हें नीति-निर्माण द्वारा सुधारा जा सकता है। यदि सरकार, स्थानीय प्रशासन और उद्यमियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो तो धार्मिक पर्यटन वाराणसी के छोटे उद्यमियों की आर्थिक स्थिरता और विकास के लिए और अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकता है।

समग्रतः, धार्मिक पर्यटन ने वाराणसी की सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ करने के साथ-साथ स्थानीय उद्यमिता को ऊर्जा प्रदान की है, और भविष्य में यह क्षेत्र छोटे उद्यमियों हेतु और भी व्यापक आर्थिक अवसरों का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

संदर्भ / स्रोत

- Uttar Pradesh Tourism — Monthly Domestic & Foreign Tourists/Visitors Statistics (Year 2023). uptourism.gov.in
- Invest UP — "Religious Tourism spots — Varanasi" (April 2024 brief). Invest UP
- Debadyuti Das, Sushil K. Sharma — "An assessment of the impact of tourism development at Varanasi — perspectives of local tourism businesses." (ResearchGate). ResearchGate
- Media reports: Times of India, Money control, ZeeBiz — रिपोर्टें (2024–2025) जो वाराणसी के बढ़ते पर्यटन आँकड़ों और परियोजनाओं पर प्रकाश डालती हैं। The Times of India+2Moneycontrol+2
- Tijer / JNRID — "A Quick Insight On Religious Tourism" (हस्तशिल्प/बुनकरी पर प्रभाव)। TIJER Research Journal
- https://www.untourism.int/2021-a-year-in-review
- https://msme.gov.in/msme-annual-report-english-2022-23
- https://varanasi.nic.in/tourism/
- https://tourism.gov.in/about-us/indian-tourism-offices